भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

12.08.2026 के

अतारांकित प्रश्न सं. 4022 का उत्तर

पश्चिमी असम में रेल कनेक्टिविटी

4022. मोहम्मद रकीबुल हुसैन:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार को पश्चिमी असम में रेल कनेक्टिविटी में सुधार के लिए धुबरी और आस-पास के जिलों के लोगों की लंबे समय से चली आ रही मांग की जानकारी है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार को (i) धुबरी और सिलघाट के बीच राज्यरानी एक्सप्रेस के फेरों को सप्ताह में तीन दिनों से बढ़ाकर कम से कम छह दिन करने, (ii) धुबरी और गुवाहाटी के बीच एक दैनिक इंटरसिटी एक्सप्रेस शुरू करने, और (iii) सरायघाट एक्सप्रेस (ट्रेन संख्या 12345/12346) का मार्ग परिवर्तन बिलासीपारा-गौरीपुर-धुबरी-तुफानगंज-न्यू कोच बिहार होकर करने के संबंध में कोई अभ्यावेदन प्राप्त हुआ है;

(ग) यदि हां, तो इनमें से प्रत्येक मांग पर सरकार द्वारा की गई कार्रवाई की वर्तमान स्थिति सहित तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) क्या सरकार ने इन प्रस्तावों के संबंध में कोई साध्यता अध्ययन, यात्री मांग का आकलन या परिचालन संबंधी मूल्यांकन किया है और यदि हां, तो इसके परिणामों सहित तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (घ): भारतीय रेल नेटवर्क पर धुबरी एक मौजूदा स्टेशन है। पश्चिम असम के धुबड़ी में संपर्कता में और सुधार लाने और क्षमता संवर्धन के लिए, निम्नलिखित अंतिम स्थान निर्धारण सर्वेक्षण भी स्वीकृत किए गए हैं:-

क्र.सं	परियोजना	स्थिति
1.	न्यू कोचबिहार - गोलकगंज -	विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने के लिए अंतिम

	गौरीपुर - अभयापुरी दोहरीकरण (152 कि.मी.)	स्थान निर्धारण सर्वेक्षण को स्वीकृति दे दी गई है।
2.	न्यू जलपाईगुड़ी- कामाख्या तीसरी और चौथी लाइन (422 कि.मी.)	विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने के लिए अंतिम स्थान निर्धारण सर्वेक्षण को स्वीकृति दे दी गई है।

धुबड़ी और गौरीपुर जंक्शन के निकट सेवित करने वाली रेलगाड़ियों का ब्यौरा निम्नानुसार है:-

धुबड़ी जंक्शन को सेवित करने वाली रेलगाड़ियां।

क्र.सं.	गाड़ी सं. और नाम
1.	15417/15418 अलीपुरद्वार- सिलघाट टाउन राज्य रानी एक्सप्रेस
2.	15601/15602 धुबड़ी - गुवाहाटी एक्सप्रेस
3.	75725/75726 सिलीगुड़ी - न्यू बंगाईगाँव डेमू
4.	75741/75742 सिलीगुड़ी - धुबड़ी डेमू

गौरीपुर जंक्शन को सेवित करने वाली रेलगाड़ियां (धुबड़ी जंक्शन के निकट)

क्र.सं.	गाड़ी सं. और नाम
1	15417/15418 अलीपुरद्वार- सिलघाट टाउन राज्य रानी एक्सप्रेस
2	15601/15602 धुबड़ी - गुवाहाटी एक्सप्रेस
3	75725/75726 सिलीगुड़ी - न्यू बंगाईगाँव डेमू
4	75741/75742 सिलीगुड़ी - धुबड़ी डेमू
5	13125/13126 कोलकाता - सायरंग एक्स्प्रेस

पूर्वोत्तर क्षेत्र रेल बजट:

हाल ही के वर्षों में बजट आबंटन में काफी वृद्धि हुई है। पश्चिम असम सहित पूर्वोत्तर क्षेत्र में पूर्णतः/अंशत: पड़ने वाली अवसंरचना परियोजनाओं और संरक्षा संबंधी निर्माण कार्यों के लिए बजट आबंटन निम्नानुसार है:-

अवधि	परिव्यय
2009-14	₹2,122 करोड़/वर्ष
2026-27	₹11,486 करोड़ (5 गुना से अधिक)

रेलपथ निर्माण:

पश्चिम असम सहित पूर्वोत्तर क्षेत्र में 2009-14 और 2014-2025 के दौरान पूर्णत:/अंशत: पड़ने वाले नए रेलपथ को कमीशन करने/बिछाने का विवरण निम्नानुसार है:-

अवधि	कमीशन किए गए नए रेलपथ	नए रेलपथ की औसत कमीशनिंग
2009-14	333 कि.मी.	~67 कि.मी./वर्ष
2014-26	1,890 कि.मी.	~158 कि.मी./वर्ष (लगभग 2.5 गुना)

स्वीकृत परियोजनाएं:

01.04.2026 तक पश्चिम असम सहित पूर्वोत्तर क्षेत्र में पूर्णतः/आंशत: पड़ने वाली 67,453 करोड़ रुपए लागत की 988 कि.मी. कुल लंबाई वाली 13 रेलवे परियोजनाएं (08 नई लाइनें, 05 दोहरीकरण) स्वीकृत की गई हैं। सारांश निम्नानुसार है:-

कोटि	स्वीकृत परियोजनाएं	कुल लंबाई (कि.मी. में)	मार्च 26 तक कमीशन की गई लंबाई (कि.मी. में)	मार्च 26 तक व्यय (करेड़ रुपए में.)
नई लाइनें	08	466	113	35,658
दोहरीकरण/बहुपथन	05	523	165	3,898
कुल	13	988	278	39,556

हाल ही में पूरी की गई परियोजनाएँ:

पश्चिम असम सहित पूर्वोत्तर क्षेत्र में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली शुरू की गई परियोजनाएँ इस प्रकार हैं:

क्र.सं.	परियोजना	लागत (करोड़ रुपए में.)
1.	बइरबी - सैरांग नई लाइन (51 कि.मी.)	8,601
2.	अगरतला सबरूम नई लाइन (112 कि.मी.)	3,170

3.	अगरतला-अखौरा नई लाइन (5 कि.मी.)	865
4.	रंगिया - मुरकंगसेलेक आमान परिवर्तन (510 कि.मी.)	3,019
5.	कुमारघाट - अगरतला आमान परिवर्तन (109 कि.मी.)	1,242
6.	लामडिंग - बदरपुर - सिलचर एवं बदरपुर - कुमारघाट आमान परिवर्तन (412 कि.मी.)	6,500
7.	लामडिंग - होजाई दोहरीकरण (45 कि.मी.)	410
8.	डिगारु - होजाई दोहरीकरण (102 कि.मी.)	1,873
9.	न्यू बंगाईगाँव - आगियाठरी दोहरीकरण (143 कि.मी.)	2,048
10.	बोगीबील ब्रिज (46 कि.मी.)	5,820

चालू परियोजनाएं:

पश्चिम असम सहित पूर्वोत्तर क्षेत्र में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली कुछ मुख्य परियोजनाएं जो शुरू की गई हैं, वे इस प्रकार हैं:-

क्र.सं.	परियोजना का नाम	लागत (करोड़ रुपए में.)
1	जिरिबाम - इंफाल नई लाइन (111 कि.मी.)	21,886
2	डिमापुर - कोहिमा नई लाइन (82 कि.मी.)	15,230
3	मुरकंगसेलेक - पासीघाट नई लाइन (27 कि.मी.)	1,249
4	सेवक -रंगपो नई लाइन (44 कि.मी.)	11,775
5	कोकराझार (भारत) - गेलेफु (भूटान) नई लाइन (69 कि.मी.)	3,456
6	सरायघाट ब्रिज दोहरीकरण (7 कि.मी.)	1,474
7	कामाख्या-गुवाहाटी तीसरी लाइन (6 कि.मी.)	395
8	न्यू बंगाईगाँव - गोवालपारा - गुवाहाटी दोहरीकरण (176 कि.मी.)	4,984
9	लामडिंग - फरकाटिंग दोहरीकरण (140 कि.मी.)	2,124

10	फरकाटिंग - तिनसुकिया दोहरीकरण (194 कि.मी.)	3,634

इसके अलावा, पिछले तीन वर्षों के दौरान अर्थात 2023-24, 2024-25, 2025-26 और वर्तमान वित्त वर्ष 2026-27 के दौरान, पश्चिम असम सहित पूर्वोत्तर क्षेत्र में पूर्णतः/अंशतः रूप से पड़ने वाली कुल लंबाई 1,847 कि.मी. के 18 सर्वेक्षण (12 नई लाइन और 06 दोहरीकरण) स्वीकृत किए गए हैं।

किसी भी रेल परियोजना की स्वीकृति कई मानदंडों/कारकों पर निर्भर करती है, जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं:

- प्रत्याशित यातायात पूर्वानुमान और प्रस्तावित मार्ग की लाभप्रदता
- परियोजना द्वारा प्रदान की गई पहली और अंतिम मील संपर्कता
- अनुपलब्ध कड़ियों को जोड़ना और अतिरिक्त मार्ग प्रदान करना
- संकुलित/संतृप्त लाइनों का संवर्द्धन
- राज्य सरकारों/केंद्रीय मंत्रालयों/जन प्रतिनिधियों द्वारा उठाई गई मांगें
- रेलवे की अपनी परिचालन संबंधी आवश्यकताएँ
- सामाजिक-आर्थिक महत्व
- निधियों की समग्र उपलब्धता

रेल अवसंरचना परियोजनाएं क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक विकास को सक्षम बनाती हैं, जिसमें शामिल हैं:

- देश के अन्य हिस्सों के साथ क्षेत्र का बेहतर एकीकरण
- वस्तुओं और सेवाओं की तीव्र आवाजाही
- संभार तंत्र दक्षता में सुधार लाना
- लाइन क्षमता बढ़ाना
- क्षेत्र के व्यक्तियों के लिए प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसरों में वृद्धि करना
- परिचालनिक बाधाएं कम करना
- क्षेत्र में पर्यटन उद्योग का विकास और औद्योगिक गतिविधियों में वृद्धि।

रेल परियोजना/परियोजनाओं का पूरा होना कई कारकों पर निर्भर करता है, जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं:

- राज्य सरकार द्वारा भूमि अधिग्रहण
- वन संबंधी स्वीकृति
- अतिलंघनकारी जनोपयोगी सुविधाओं का स्थानांतरण
- विभिन्न प्राधिकरणों से सांविधिक स्वीकृतियाँ
- क्षेत्र की भूवैज्ञानिक और स्थलाकृतिक परिस्थितियाँ
- परियोजना स्थल के क्षेत्र में कानून और व्यवस्था की स्थिति
- विशिष्ट परियोजना स्थल आदि के लिए वर्ष में कार्य करने के महीनों की संख्या

ये सभी कारक परियोजना/परियोजनाओं के पूरा होने के समय और लागत को प्रभावित करते हैं।

रेल परियोजनाओं के प्रभावी और त्वरित कार्यान्वयन के लिए सरकार द्वारा उठाए गए विभिन्न कदमों में शामिल हैं:

- निधियों के आबंटन में पर्याप्त वृद्धि।
- क्षेत्रीय स्तर पर शक्तियों का प्रत्यायोजन।
- विभिन्न स्तरों पर परियोजना की प्रगति की कड़ी निगरानी।
- परियोजनाओं से संबंधित अन्य मुद्दों के समाधान के लिए भूमि अधिग्रहण, वानिकी और वन्यजीव स्वीकृति हेतु राज्य सरकारों और संबंधित प्राधिकरणों के साथ नियमित रूप से अनुवर्ती कार्रवाई।

असम में रेलगाड़ी सेवाएं

चूंकि रेल नेटवर्क राज्यों की सीमाओं के आर-पार फैला होता है, इसलिए ऐसी सीमाओं के आर-पार नेटवर्क की आवश्यकता के अनुसार, गाड़ियां चलाई जाती हैं। बहरहाल, भारतीय रेल निरंतर यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए सम्पर्कता में सुधार हेतु प्रयासरत रहती है, इस उद्देश्य से, भारतीय रेल ने हाल के दिनों में 15 जोड़ी रेलगाड़ियों की शुरुआत की है, जिसमें 4 जोड़ी अमृत भारत और 02 जोड़े

वंदे भारत एक्सप्रेस शामिल हैं जो असम राज्य में स्थित विभिन्न स्टेशनों की आवश्यकताओं को पूरा करती हैं। ये नीचे सूचीबद्ध हैं:

क्र.सं.	गाड़ी सं. और नाम
1.	27575/27576 कामाख्या - हावड़ा वंदे भारत स्लीपर एक्सप्रेस
2.	22227/22228 गुवाहाटी - न्यू जलपाईगुड़ी वंदे भारत एक्सप्रेस
3.	14663/14664 न्यू जलपाईगुड़ी- अमृतसर अमृत भारत एक्सप्रेस
4.	15673/15674 चर्लपल्ली - कामाख्या अमृत भारत एक्सप्रेस
5.	15671/15672 कामाख्या - रोहतक अमृत भारत एक्सप्रेस
6.	15949/15950 डिब्रूगढ़ - गोमती नगर अमृत भारत एक्सप्रेस
7.	15675/15676 न्यू जलपाईगुड़ी - गुवाहाटी एक्सप्रेस
8.	15649/15650 अगरतला - नारंगी एक्सप्रेस
9.	55669/55670 सिलचर - सायरंग पैसेंजर
10.	15609/15610 गुवाहाटी - सायरंग एक्सप्रेस
11.	12047/12048 गुवाहाटी - उत्तर लखीमपुर जन शताब्दी एक्सप्रेस
12.	15911/15912 तिनसुकिया - नाहरलागुन एक्सप्रेस
13.	55817/55818 न्यू बंगाईगाँव - गुवाहाटी एक्स्प्रेस
14.	15925/15926 डिब्रुगढ़ - देवघर एक्स्प्रेस
15.	15617/15618 गुवाहाटी - दुल्लभछड़ा एक्स्प्रेस

सांसदों, जनप्रतिनिधियों, संगठनों/रेल उपयोगकर्ताओं आदि से अन्य बातों के साथ-साथ नई रेलगाड़ियां शुरू करने, विस्तार करने तथा फेरों में वृद्धि करने आदि के संबंध में रेलवे बोर्ड, क्षेत्रीय रेलों, मंडल कार्यालयों सहित विभिन्न स्तरों पर औपचारिक और अनौपचारिक प्रस्ताव/अनुरोध/सुझाव/अभ्यावेदन प्राप्त होते हैं। इन प्रस्तावों की जांच की जाती है और व्यवहार्य एवं औचित्यपूर्ण पाए जाने पर समय-समय पर कार्रवाई की जाती है, जो एक सतत प्रक्रिया है।

इसके अलावा, नई गाड़ी सेवाएं शुरू करना, मौजूदा रेलगाड़ी सेवाओं का विस्तार/उनके फेरों में वृद्धि करना एक निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है जो निम्नलिखित विभिन्न कारकों पर निर्भर करती है:

- **उस खंड की क्षमता**
- **पथ की उपलब्धता**
- **अपेक्षित चल स्टॉक की उपलब्धता**
- **चल स्टॉक के लिए समान अवसंरचना उपलब्धता**
- **रेलपथों और अन्य परिसंपत्तियों के अनुरक्षण की आवश्यकता**
- **उस खंड का अधिभोग और यातायात आवश्यकता**

****